परियोजना का नामः–देहरादून वन प्रभाग के अन्तर्गत ऋषिकेश कक्ष सं0–03 में परिवहन विभाग की ऑटोमेटिड टेस्टिंग लेन की स्थापना।

प्रतिवेदन

भूमिकाः–ऋषिकेश उत्तराखण्ड की चारधाम यात्रा का मुख्य केन्द्र है। पर्वतीय क्षेत्र होने के कारण सुरक्षां के दृष्टिगत यात्रा पर जाने वाली वाहनों का तकनीकी निरीक्षण कर वाहनों को यात्रा हेतु ग्रीन कार्ड जारी किये जाते है। चारधाम यात्रा में जाने वाली यात्री वाहनों की संख्या प्रतिवर्ष वृद्धि हो रही है। अतः इन वाहनों के तकनीकी निरीक्षण हेतु ऋषिकेश में पूर्व में स्थापित ऑटोमेटिड टेस्टिंग लेन का सुदृढीकरण/विस्तारीकरण किया जाना अत्यन्त आवश्यक हो गया है। चारधाम यात्रा के सुरक्षित संचालन हेतु निदेशक, सड़क सुरक्षा, सडक परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार ने अपने पत्र सं0 RT-11036/2013-MVL(RS) दिनांक 26.06.2014 के माध्यम से ऋषिकेश में ऑटोमेटिड टेस्टिंग लेन के लिए 03 एकड अथवा 1.22 हे0 भूमि की उपलब्धता हेतु निर्देशित किया गया है।

उपरोक्त के अतिरिक्त ऋषिकेश में राज्य सरकार द्वारा ऑटोमेटिड ड्राइविंग ट्रेक्स सेंटर हेतु 80X50 मीटर भूमि उपलब्ध कराने हेतु अनुमोदन किया गया है। उक्त कार्यो हेतु सरकार द्वारा प्रस्ताव की मांग की गयी है।

(क). योजना/प्रस्ताव का संक्षिप्त विवरणः– यह योजना पूर्ण रूप से भारत सरकार द्वारा निर्धारित की गयी है। निदेशक, सड़क सुरक्षा, सडक परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार ने अपने पत्र सं0 RT-11036/2013-MVL(RS) दिनांक 26.06.2014 द्वारा विभिन्न राज्यों में नये ऑटोमेटिड टेस्टिंग लेन के सृजन की व्यवस्था किये जाने के आदेश दिये गये हैं। अपेक्षाकृत छोटे राज्यों में अन्य राज्यों की भांति ऑटोमेटिड टेस्टिंग लेन को स्थापित करने हेतु भी निर्देशित किया गया है।

(ख).समस्यायें जिनका परियोजना से समाधान होगाः– पहाडों पर जाने वाली दैनिक यात्री सेवाओं व चारधाम यात्रा पर हेतु वाहनों के तकनीकी जांच व पाई गयी कमी के निस्तारण किया जाना प्रस्तावित है।

(ग).योजना का उद्देश्यः– पर्वतीय क्षेत्रों में संचालित यात्री सेवा व चारधाम यात्रा हेतु अन्य राज्यों से आने वाली यात्री वाहनों के तकनीकी जांच कर यात्रा का सफल व सुगम संचालन किया जा सके ।

(च).वित्तीय स्रोत तथा योजना का बजटः– ऑटोमेटिड टेस्टिंग लेन व ऑटो मेटेड ड्राइविंग ट्रैक्स हेतु भूमि विभाग के नाम हस्तान्तरण होने के उपरांत निदेशक, सड़क सुरक्षा, सडक परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्तीय का अनुमोदन प्रस्तावित है।

(छ).सस्टेनेबिलिटीः– ऑटोमेटिड टेस्टिंग लेन के निर्माण के उपरान्त परिवहन नागरिक सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए उत्तराखण्ड राज्य में बदलते परिवेशों के अनुरूप कार्य करने में सक्षम होगा।

(ज).योजना/परियोजना का औचित्यः– पर्वतीय क्षेत्रों में हो रही वाहन दुर्घनाओं पर अंकुश लगाये जाने हेतु उक्त परियोजना का स्थापित किया जाना आवश्यक प्रतीत होता है।

(ट).भूमि उपलब्धता की स्थितिः– बीबीवाला, बाईपास मार्ग, ऋषिकेश के बीट नं0 03 पर परिवहन विभग को पूर्व में आवंटित 01 हे0 वन भूमि आवंटित की गयी है परन्तु भारत सरकार के मानकों के अनुरूप भूमि उपलब्ध न होने के कारण स्थानीय जनता व पर्यटकों/तीर्थ यात्रियों की समस्याओं के दृष्टिगत तत्समय मात्र कार्यालय भवन का ही निर्माण किया जा सका। वर्तमान में भारत सरकार द्वारा ऑटोमेटिड टेस्टिंग लेन हेतु बजट इस शर्त के साथ स्वीकृत किया गया है कि राज्य सरकार द्वारा ऑटोमेटेड टेस्टिंग लेन हेतु 03 एकड (1.22 हैक्टेयर) भूमि उपलब्ध करायी जायेगी। उक्त के क्रम में चयनित भूमि का संयुक्त सर्वेक्षण वन विभाग के अधिकारियों के साथ किया गया। चयनित भूमि पर यूकेलिपटिस, शीशम व सेमल के कुल 266 वृक्ष है, जिनका पातन किया जाना अनिवार्य है। उल्लेखनीय है कि उक्त 266 वृक्षों में से 256 वृक्ष यूकेलिप्टिस प्रजाति के हैं।

प्रस्तावित भूमि को परिवहन विभाग को स्थानान्तरित करने में ग्रामवासियों/स्थानीय निवासियों को कोई आपत्ति नहीं है। प्रस्तावित भूमि का भू–वैज्ञानिक से भी परीक्षण कराया गया है। उनके द्वारा इसे भूगर्भीय एवं पर्यावरणीय दृष्टि से उपयुक्त पाया गया है।

विभाग द्वारा पूर्व में भारत सरकार के मानक अनुसार उक्त परियोजना हेतु 1.22 हैक्टेयर वन भूमि विभाग के नाम हस्तान्तरण हेतु प्रस्ताव प्रेषित किया है। प्रभागीय वनाधिकारी, देहरादून वन प्रभाग, देहरादून के द्वारा चयनित भूमि के निरीक्षण के दौरान कार्यालय के उत्तर दिशा में खाली पड़ी वन भूमि 0.80 हे0 को अतिक्रमण की संवेदनशीलता के दृष्टिगत विभाग के नाम प्रस्तावित भूमि में सम्मिलित करने के निर्देश दिये गये हैं। उक्त के क्रम में चयनित भूमि को विभाग ग्रीनबेल्ट व ऑटोमेटेड ड्राईविंग ट्रैक्स के रूप विकसित किया जायेगा।

अतः देहरादून वन प्रभाग के अन्तर्गत ऋषिकेश कक्ष सं0–03 में स्थित आरक्षित वन भूमि में से 2.02 हे0 ऑटोमेटिड टेस्टिंग लेन हेतु हस्तान्तरित करने हेतु यह प्रस्ताव गठित कर अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है।

प्रयोक्ता एजेन्सी के हस्ताक्षर
नाम डा0 अनीता चमोला
सहा0 सम्भागीय परिवहन अधिकारी, ऋषिकेश
मोहर